कानपुर, शुक्रवार, 16 जनवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 19, पृष्ठः 8+4
प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड कोई भूमाफिया नहीं बचेगा...>Pg12
ससुराल मे जहर पीने से युवक की जिंदगी खत्म... > Pg03

मूल्यः 2 ₹

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव

महायुति की महाविजय देवा भाऊ बने 'धुरंधर'

❍ 29 नगर निगमों के नतीजों पर टिकी निगाहें, शहरी सत्ता का संतुलन बदला ❍ उद्धव-राज ठाकरे बंधुओं और पवार परिवार के बड़े-बड़े दावे हो गए ध्वस्त

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

मुंबई। महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों के लिए जारी मतगणना में सत्तारूढ़ बीजेपी-शिवसेना (एकनाथ शिंदे)-एनसीपी (अजित पवार) की महायुति ने निर्णायक बढ़त बना ली है। काउंटिंग के ताज़ा रुझानों में बीएमसी, पुणे, ठाणे, नागपुर, नासिक और सोलापुर समेत लगभग सभी प्रमुख शहरी निकायों में महायुति का दबदबा साफ दिखाई दे रहा है। इन नतीजों को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की राजनीतिक, संगठनात्मक और चुनावी रणनीति की बड़ी सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। शहरी मतदाताओं ने स्पष्ट रूप से सत्ता पक्ष के पक्ष में भरोसा जताया है, जिससे विपक्षी खेमे के बड़े-बड़े दावे हवा में उड़ते नजर आ रहे हैं। वहीं विपक्षी महाविकास आघाड़ी (कांग्रेस-शिवसेना यूबीटी-एनसीपी शरद पवार) कई वार्डों में मुकाबले में जरूर है, लेकिन कुल मिलाकर रुझान फिलहाल महायुति के पक्ष में झुके हुए हैं। मतगणना अभी जारी है और अंतिम परिणाम राज्य चुनाव आयोग द्वारा घोषित किए जाएंगे।

सभी 29 नगर निगम में सीटों पर रुझान

900+	भारतीय जनता पार्टी
350+	शिवसेना (एकनाथ शिंदे)
200+	एनसीपी (अजित पवार)
300+	कांग्रेस
400+	शिवसेना (उद्धव ठाकरे)
200+	एनसीपी (शरद पवार)
300+	एमएनएस व अन्य निर्दलीय

(नोटः यह खबर मतगणना के रुझानों पर आधारित है। अंतिम और आधिकारिक परिणामों के बाद आंकड़ों में बदलाव संभव है।)

बीएमसी पर सबसे बड़ा सियासी दांव

देश के सबसे अमीर नगर निगम बृहन्मुंबई महानगरपालिका (227 सीटें) में बहुमत का आंकड़ा 114 है। ताज़ा रुझानों में बीजेपी-महायुति बहुमत की ओर तेज़ी से बढ़ती दिख रही है। वहीं शिवसेना (यूबीटी) अपने परंपरागत गढ़ों में संघर्ष करती नजर आ रही है। जबकि कांग्रेस सीमित वार्डों तक सिमटी नजर आई। इस रुझान को देखते हुए शिंदे शिवसेना और बीजेपी की साझा रणनीति निर्णायक साबित होती दिख रही है

क्यों अहम हैं ये नतीजे

- ❍ विभाजन के बाद पहला बड़ा शहरी जनादेश
- ❍ बीएमसी जैसे निगमों पर नियंत्रण का राजनीतिक-आर्थिक महत्व
- ❍ 2029 विधानसभा चुनाव से पहले शहरी मूड का संकेत
- ❍ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नेतृत्व और मजबूत

गठबंधन-वार तस्वीर

महायुति – 1,250+ सीटों पर बढ़त/जीत
- महाविकास आघाड़ी – 900+ सीटों पर बढ़त/जीत
- अन्य – 300+ सीटें

- ❍ महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों की मतगणना जारी
- ❍ बीएमसी, पुणे, ठाणे, नागपुर समेत प्रमुख शहरों में महायुति आगे
- ❍ कई वार्डों में कांटे की टक्कर, लेकिन कुल रुझान सत्ता पक्ष के पक्ष में
- ❍ शिवसेना-एनसीपी विभाजन के बाद पहला बड़ा शहरी चुनाव
- ❍ शहरी वोटर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व पर जताया भरोसा

अन्य बड़े नगर निगमों का हाल

- ❍ पुणे नगर निगमः बीजेपी को स्पष्ट बढ़त, कई वार्डों में निर्णायक स्थिति
- ❍ ठाणे नगर निगमः कड़ी टक्कर के बावजूद महायुति आगे
- ❍ नागपुरः मुख्यमंत्री फडणवीस का गढ़ बरकरार, भगवा लहर कायम
- ❍ नासिक और सोलापुरः मुकाबला रोचक, लेकिन रुझान सत्ता पक्ष के पक्ष में
- ❍ अन्य नगर निगमः अधिकांश जगहों पर महायुति मजबूत स्थिति में

संघ शताब्दी वर्ष पर बेनाझाबर में हुआ विराट हिन्दू सम्मेलन

कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी हिन्दू सम्मेलन श्रृंखला के अंतर्गत गुरुवार को बी एन एस डी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज, बेनाझाबर के प्रांगण में विराट हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। यह सम्मेलन बेनाझाबर बस्ती, आर्यनगर, कानपुर उत्तर द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

सम्मेलन में बस्ती से आए बालवृंद, युवक-युवतियां, किशोर, प्रौढ़ और वृद्ध ढोल-तासों की गूंज तथा 'भारत माता की जय' और 'जय जय श्रीराम' के गगनभेदी उद्घोष के साथ हाथों में भगवा ध्वज लिए एकजुट होकर पहुंचे। पूरे प्रांगण में भगवामय वातावरण के साथ लघु भारत की झलक देखने को मिली।

बालक-बालिकाएं रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्याबाई, भारत माता, श्रीराम और हनुमान की वेशभूषा में कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रहे थे।

सम्मेलन को रामकृष्ण मिशन आश्रम कानपुर के सहसचिव स्वामी नरेश्वरानन्द, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख मिथलेश नारायण तथा यती संकल्प संस्थान की सचिव नीतू सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान 'हिन्दू तन-मन हिन्दू जीवन', 'हिन्दू को जगाएंगे भारत को भव्य बनाएंगे' जैसे ओजस्वी नारों से वातावरण गुंजायमान रहा।

स्वामी नरेश्वरानन्द ने अपने संबोधन में स्वामी विवेकानन्द और रामकृष्ण परमहंस के जीवन प्रसंगों के माध्यम से बताया कि कैसे विवेकानन्द ने अल्पायु में ही विश्व को हिन्दू दर्शन की महानता से परिचित कराया और हिन्दू धर्म की नींव को सुदृढ़ किया।

नीतू सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में हिन्दू समाज संगठित होने की दिशा में अग्रसर है।

पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। संघ के शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन के विचार को अपनाना जरूरी है, जिसमें सामाजिक समरसता और कुटुम्ब प्रबोधन प्रमुख हैं।

मुख्य वक्ता मिथलेश नारायण ने वैदिक संस्कृति और हिन्दू संस्कारों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि माता-पिता को देवतुल्य मानने की परंपरा ही भारत की पहचान है। उन्होंने छुआछूत, जल संरक्षण, सामाजिक भेदभाव और कुटुम्ब मूल्यों पर विस्तार से विचार रखते हुए पंच परिवर्तन को अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बेनाझाबर बस्ती के उमा शंकर भारती ने की। भारत माता की आरती के साथ सम्मेलन का समापन हुआ।

कानपुर प्लॉगर्स का तीन घाटों पर सफाई महाअभियान

90 से अधिक वॉलंटियर्स ने अटल, सरसैया और नानाराव घाट पर एक साथ की सफाई

स्वच्छता-पर्यावरण का संदेश

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर गंगा नदी की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ शहर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। सामाजिक संगठन कानपुर प्लॉगर्स फाउंडेशन ने यह अभियान फ्प्रोजेक्ट पुकार ड्राइवफ् के तहत आयोजित किया।

इस अभियान को लीप इंडिया, मिशन ग्रीन (मुंबई), कानपुर नगर निगम, एनएचडब्ल्यूएस और निश्चय लर्निंग सेंटर का सहयोग मिला। संयुक्त प्रयासों से शहर के तीन प्रमुख घाटों अटल घाट, सरसैया घाट और नानाराव घाट पर एक साथ सफाई की गईं। सुबह 06:00 बजे शुरू हुए अभियान में स्वयंसेवकों ने नदी तटों और आसपास के क्षेत्रों से प्लास्टिक कचरा व अन्य अपशिष्ट एकत्र कर स्वच्छता का संदेश दिया। युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इस अभियान में 90 से अधिक वॉलंटियर शामिल रहे। जिनमें अभियान की संयोजिका डॉ. संजीवनी शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप कुमार द्विवेदी, विमल बाजपेयी, पीयूष झा, अनुराग सिंह, ओम सिंह, प्रिंस, संगीता अग्रवाल, राधिका अग्रवाल, कोहिमा एवं मंजू सराफ़ उपस्थित रहे।

उर्सला अस्पताल में 500 मरीजों को निशुल्क भोजन, गर्म कपड़े बांटे

सेवा, संवेदना का अनुकरणीय उदाहरण देखने को मिला

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मकर संक्रांति पर उर्सला अस्पताल में सेवा, संवेदना और मानवीय सरोकारों का अनुकरणीय उदाहरण देखने को मिला। डॉक्टर आशीष मिश्रा एवं रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में अस्पताल में भर्ती लगभग 500 मरीजों को निशुल्क भोजन कराया गया। वहीं ठंड के मद्देनज़र अस्पताल के चार वार्डों में मरीजों को गर्म कपड़े भी वितरित किए गए।कार्यक्रम में अस्पताल के निदेशक एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बीसी पाल, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र तिवारी, रोटरी क्लब के अध्यक्ष डॉ. देव ज्योति देवराय, डॉ. अंतरा देव राय, श्रीमती प्रवीणा सिंह एवं डॉ. विशाल सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने इस पहल को सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त उदाहरण बताते हुए इसकी सराहना की। कार्यक्रम के दौरान मरीजों व उनके परिजनों ने इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। आयोजकों ने कहा कि रोटरी क्लब और अस्पताल प्रशासन भविष्य में भी ऐसे जनसेवा के कार्य निरंतर जारी रखेंगे, ताकि जरूरतमंदों को राहत और सहयोग मिल सके।

सोलर स्ट्रीट लाइट में मॉडल बनेगा नगर निगम कानपुर

8 करोड़ 26 लाख की योजना को मंजूरी, नेडा का नगर निगम से काम खत्म

खुद स्ट्रीट लाइट लगायेगा नगर निगम का मार्ग प्रकाश विभाग

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। रूफटॉप सोलर एनर्जी के क्षेत्र में कानपुर उत्तर प्रदेश में तीसरे स्थान पर पहुंच चुका है। कानपुर नगर निगम सोलर स्ट्रीट लाइट के मामले में भी नई पहचान बनाने जा रहा है। नगर निगम द्वारा सोलर एनर्जी के सफल प्रयोग के बाद अब शहर की सड़कों को सौर ऊर्जा से रोशन करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। नगर निगम खुद सोलर स्ट्रीट लाइट लगायेगा।

उत्तर प्रदेश सरकार ने नगर निगम कानपुर के लिए 8 करोड़ 26 लाख रुपये की सोलर स्ट्रीट लाइट योजना को स्वीकृति प्रदान की है। इस योजना के तहत शहर में 2500 सोलर स्ट्रीट लाइट, 230 सोलर हाई मास्ट लाइट, 2 किलोवाट क्षमता के 10 ऑन-ग्रिड रूफटॉप सोलर प्लांट तथा 10 ऑफ-ग्रिड सोलर प्लांट लगाए जाएंगे।

शासन ने योजना की पहली किस्त के रूप में 4 करोड़ 13 लाख रुपये नगर निगम को जारी कर दिए हैं, जिससे परियोजना के क्रियान्वयन का रास्ता साफ हो गया है।

अपर नगर आयुक्त आवेश खान ने बताया कि सोलर एनर्जी से स्ट्रीट लाइट का प्रयोग पहले ही शहर में सफल रहा है। इससे बिजली की बचत के साथ-साथ रखरखाव खर्च में भी कमी आई है। उन्होंने कहा कि धनराशि जारी होते ही सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा।

इस योजना से जहां नगर निगम के बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आएगी, वहीं पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। बेहतर रोशनी से शहर की सड़कों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। नगर निगम का यह प्रयास कानपुर को स्मार्ट और ग्रीन सिटी की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बाथरूम के बहाने चांदी चोरी का आरोपी थाने से भागा

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। गुजैनी थाना क्षेत्र में चोरी के एक मामले में गिरफ्तार आरोपी के पुलिस हिरासत से फरार हो जाने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। जरौली फेस-टू स्थित बालाजी ज्वैलर्स चोरी कांड में पकड़ा गया आरोपी कल्लू उर्फ विशाल थाने से उस समय फरार हो गया, जब उसे हवालात से निकालकर बाथरूम ले जाया जा रहा था।

गुरुवार को पूछताछ पूरी होने के बाद आरोपी को जेल भेजने की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान उसने बाथरूम जाने की अनुमति मांगी। थाने में तैनात होमगार्ड

➪ लापरवाही पर महिला सिपाही सस्पेंड, होमगार्ड व फरार आरोपी पर मुकदमा दर्ज

राजकुमार उसे हवालात से कार्यालय के पीछे बने बाथरूम की ओर ले जा रहा था। मौके का फायदा उठाकर आरोपी ने होमगार्ड को धक्का दे दिया। होमगार्ड के गिरते ही आरोपी पीछे की दीवार फांदकर कच्ची बस्ती की ओर भाग निकला। थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल पीछा किया, लेकिन आरोपी फरार होने में सफल रहा।

तीन किलो चांदी चोरी का आरोपी था कल्लू

बताया गया कि गोपालपुरम सोसाइटी निवासी गौरव वर्मा की जरौली फेस-टू स्थित बालाजी ज्वैलर्स में 14 दिसंबर की देर रात तीन नकाबपोश चोरों ने शटर तोड़कर करीब तीन किलो चांदी के जेवर चोरी कर लिए थे। पुलिस ने 20 दिसंबर को मामले का खुलासा करते हुए गुजैनी गांव निवासी विशाल गुप्ता उर्फ मन्नू बिहारी और मायापुरम कच्ची बस्ती निवासी करन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि तीसरा आरोपी बर्रा निवासी कल्लू उर्फ विशाल फरार चल रहा था। उसे बुधवार देर रात गुजैनी क्षेत्र में वारदात की फिराक में घूमते हुए गिरफ्तार किया गया था। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि मामले में लापरवाही सामने आने पर जीडी मुंशी के पद पर तैनात महिला सिपाही छवि को निलंबित कर दिया गया है। होमगार्ड राजकुमार, फरार आरोपी कल्लू और महिला सिपाही के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। होमगार्ड के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के लिए कमांडेंट को पत्र भेजा गया है।

ससुराल की दहलीज पर जहर पीने से युवक की जिंदगी खत्म

➪ मायके में दरवाजा बंद करके खड़ी रही पत्नी, ऑटो चलाकर घर पहुंचा युवक

➪ पिता ने बहू पर लगाए उत्पीड़न के आरोप, जीरो एफआईआर नौबस्ता थाने ट्रांसफर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रेम विवाह के ढाई साल बाद कानपुर में एक युवक की दर्दनाक मौत ने रिश्तों की संवेदनहीनता को उजागर कर दिया। पत्नी से मनाने पहुंचे युवक ने ससुराल की चौखट पर ही उसके सामने जहरीला पदार्थ पी लिया। आरोप है कि हालत बिगड़ने के बावजूद पत्नी ने उसे बचाने के बजाय दरवाजा बंद कर लिया। गंभीर हालत में युवक किसी तरह ऑटो चलाकर अपने घर पहुंचा, जहां से स्वजन उसे अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

नौबस्ता के आनंद विहार निवासी राजमिस्त्री जय कुमार का 25 वर्षीय इकलौता बेटा विक्रम ऑटो चालक था। परिजनों के अनुसार विक्रम ने ढाई साल पहले रामादेवी निवासी रिया से प्रेम विवाह किया था। पिता का आरोप है कि शादी के एक माह बाद ही बहू ने बेटे को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। हालात बिगड़ने पर विक्रम पत्नी के साथ दामोदर नगर में किराये पर रहने लगा, लेकिन वहां भी विवाद और मारपीट जारी रही।

जय कुमार ने बताया कि बहू ने बेटे के मोबाइल से उनका नंबर ब्लॉक करा दिया था, जिससे वह बेटे से बात भी नहीं कर पाते थे। 22 नवंबर को बेटी की शादी में भी विक्रम को शामिल नहीं होने दिया गया। अगले दिन 23 नवंबर को रिया घर से जेवर और नकदी लेकर मायके चली गई और वापस नहीं लौटी।

विक्रम पत्नी को मनाने उसके मायके रामादेवी पहुंचा, लेकिन रिया ने उसे घर में प्रवेश नहीं करने दिया। इसी दौरान विक्रम ने पत्नी के सामने ही जहरीला पदार्थ पी लिया। आरोप है कि यह देख रिया ने दरवाजा बंद कर लिया। हालत बिगड़ने पर विक्रम खुद ऑटो चलाकर घर पहुंचा, जहां से परिजन उसे पहले कांशीराम अस्पताल और फिर एलएलआर अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक के पिता ने बेटे की मौत का जिम्मेदार उसकी पत्नी को ठहराते हुए चकेरी थाने में तहरीर दी है। चकेरी थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्रा के अनुसार मामले में जीरो एफआईआर दर्ज कर उसे नौबस्ता थाने ट्रांसफर कर दिया गया है। आगे की जांच वहीं से की जाएगी।

गंगा घाटों पर करुणा और प्रकृति का सुंदर संगम

श्रद्धालुओं द्वारा डाले गए दाने पाकर पक्षी खुशी से चहक उठे और घाटों का वातावरण और भी उल्लासमय हो गया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गंगा स्नान के दौरान श्रद्धालुओं ने केवल पुण्य स्नान ही नहीं किया, बल्कि करुणा का भाव दिखाते हुए घाटों पर पक्षियों को भोजन दान भी किया। श्रद्धालुओं द्वारा डाले गए दाने पाकर पक्षी खुशी से चहक उठे और घाटों का वातावरण और भी उल्लासमय हो गया।

कानपुर के आसपास गंगा के विभिन्न घाटों पर इन दिनों बड़ी संख्या में विदेशी तथा अन्य प्रवासी पक्षियों ने डेरा जमा रखा है।

स्नान घाटों के किनारे उनकी निरंतर चहलकदमी देखने को मिल रही है। श्रद्धालुओं ने पक्षियों के लिए अनाज और दाने डालकर प्रकृति के प्रति अपने स्नेह और जिम्मेदारी का परिचय दिया।

सुबह से ही घाटों पर भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। गंगा की लहरों, सूर्योपासना और पक्षियों की चहचहाहट के बीच मकर संक्रांति का पर्व एक सकारात्मक संदेश के साथ मनाया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के छोटे प्रयास न केवल जीवों के प्रति संवेदना बढ़ाते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की भावना को भी मजबूत करते हैं।गंगा घाटों पर दिखा यह दृश्य मानवीय करुणा, आस्था और प्रकृति के संतुलन का जीवंत उदाहरण बन गया, जिसने पर्व की पवित्रता को और अधिक अर्थपूर्ण बना दिया।

राहुल शुक्ला एफबी वॉल से साभार.

दो नशेबाजों ने चलाए ईंट-पत्थर

चपेट में आई बीएड छात्रा की मौत,परिजनों में मचा कोहराम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शुक्लागंज में नशेबाजों के आतंक ने एक होनहार छात्रा की जान ले ली। मंदिर से दर्शन कर लौट रही समीक्षा पर नशेबाजों की ईंट काल बनकर गिरी। छात्रा की मौत से पूरे कंचन नगर इलाके में मातम और आक्रोश का माहौल है।

कानपुर के शुक्लागंज में कोतवाली गंगा घाट क्षेत्र के राजधानी मार्ग सर्वोदय नगर मोड़ के पास दो दिन पहले दो नशेबाज युवकों ने आपसी विवाद के चलते ईंट-पत्थर चलाए, जिसकी चपेट में अपनी सहेली के साथ मंदिर से दर्शन कर घर को लौट रही एक बीएड की छात्रा चपेट में आ गई।

सिर पर ईंट लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी आज सुबह मौत हो गई।

मोहल्ला कंचन नगर निवासी समीक्षा शुक्ला (24) जोकि कानपुर के डीएवी कॉलेज में बीएड प्रथम वर्ष की छात्रा हैं। वह 14 जनवरी की रात में पड़ोस की रहने वाली अपनी सहेली के साथ गोपीनाथपुरम मोहल्ला स्थित खाटू श्याम मंदिर से दर्शन कर वापस घर को लौट रही थी।

तभी सर्वोदय नगर मोड़ के पास आपस में विवाद कर रहे दो नशेबाज युवकों ने पत्थर बाजी कर दी, जिससे ईंट समीक्षा को जा लगी।

24 दिसंबर को ही छोटी बहन का बर्थडे मनाया गया था

मृतका की फाइल फोटो

रोते बिलखते परिजन

सिर पर गंभीर चोट लगने से वह वहीं गिर गई। सूचना पर परिजन पहुंचे और राजधानी मार्ग स्थित एक अस्पताल ले गए, जहां से हालत गंभीर होने पर कानपुर माल रोड स्थित एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया। यहां शुक्रवार सुबह छात्रा की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतका की बड़ी बहन राधिका शुक्ला ने बताया कि 24 दिसंबर को ही छोटी बहन का बर्थडे मनाया गया था।

तहरीर आने पर कार्रवाई होगी

पुलिस में शिकायत करने की बात पर बताया कि नशेबाज युवक दबंग किस्म के बताए जा रहे हैं, जिससे परिवार के लोग भयभीत हैं। इस कारण अब तक उन्होंने सूचना नहीं दी है। वहीं छात्रा की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों का कहना रहा की सड़क पर खुलेआम नशेबाजी होती है, जिस पर प्रशासन को रोक लगाना चाहिए। कोतवाली गंगा घाट प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर आने पर कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

विरासत से दयाल सिंह की बेदखली अनुचित

दिल्ली विश्वविद्यालय के दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज का नाम बदलने की कोशिशें उन्नीसवीं सदी के एक दूरदर्शी और परोपकारी सरदार दयाल सिंह मजीठिया जी की स्मृति और विरासत की घोर अवहेलना को ही दर्शाती हैं। यह कॉलेज उन्हीं के नाम पर दिल्ली में स्थापित और प्रतिष्ठित है। 'द ट्रिब्यून' और 'पंजाब नेशनल बैंक' के संस्थापक रहे सरदार दयाल सिंह मजीठिया ने एक ऐसे धर्मनिरपेक्ष व समावेशी कॉलेज की स्थापना का स्वप्न साकार करना चाहा, जहां जनहित में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा सके। उल्लेखनीय है कि दिल्ली स्थित इस संस्थान का समृद्ध इतिहास 1910 से तब शुरू होता है, जब मजीठिया जी के निधन के बारह वर्ष बाद लाहौर में इसकी स्थापना हुई थी। लेकिन आज कॉलेज प्रबंधन की ओर से दलील दी जा रही है कि एक ही नाम से डे कॉलेज और इवनिंग कॉलेज संचालित नहीं किए जा सकते हैं। यह कहना तार्किक नहीं लगता कि नाम बदलने से प्रशासनिक कार्यों में किसी भी तरह की सुविधाजनक स्थिति भी बन सकती है। वहीं दूसरी ओर, यह कॉलेज के कलेजे रूपी गरिमामय विरासत और जनभावनाओं को नजरअंदाज करने जैसा है। यहां यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि इस बदलाव की कोशिशों के कानून पहलू भी ऐसा करने की इजाजत नहीं देते। दरअसल, वर्ष 1978 में हस्तांतरण डीड की धारा 12, जिसके तहत ही दिल्ली विश्वविद्यालय यानी डीयू ने कॉलेज का अधिग्रहण किया था, में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि 'संस्थान दयाल सिंह कालेज के नाम से ही जाना जाता रहेगा।' इस धारा का उल्लंघन करने की स्थिति में भूमि अधिकार छीनने और जबरन विस्थापन जैसी गंभीर कार्रवाई भी की जा सकती है। निश्चित रूप से इस तरह का जोखिम कोई भी जिम्मेदार प्रशासन हल्के में नहीं लेना चाहेगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि संकाय सदस्यों को सिख योद्धा बंदा सिंह बहादुर के नाम पर कॉलेज का नाम बदलने के प्रस्ताव की जानकारी तब मिली जब पिछले दिनों दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति ने वीर बाल दिवस के मौके पर इसकी सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी।यहां उल्लेखनीय है कि दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज एक कालखंड की गरिमामय स्मृतियों को सहेजे हुए है। भारत मां के महान सपूत सरदार दयाल सिंह मजीठिया ने अपने सारी संपत्ति समाज के लिये समर्पित कर दी थी। उन्होंने अपना जीवन एक स्वतंत्र प्रेस, उत्तर भारत में शिक्षा के प्रसार के लिये एक उच्चस्तरीय कॉलेज तथा जागरूकता के लिये पुस्तकालय की स्थापना के लिये लगाया। जिसका मकसद समाज में प्रगतिशील सोच विकसित करना और अज्ञानता को समाप्त करना ही था। ऐसे में एक पुनीत उद्देश्य के लिये स्थापित कॉलेज का नाम बदलने का प्रबंधनतंत्र द्वारा इस तरह का एकतरफा निर्णय विश्वविद्यालय के मूल सिद्धांत को ही कमजोर करता है। जिसका मूल उद्देश्य परामर्श और आम सहमति से कार्य करना होता है। इन कोशिशों के बीच कॉलेज के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने ऐसे किसी प्रयास का विरोध करने का फैसला किया है। कर्मचारी संघ द्वारा पारित प्रस्ताव में कॉलेज की पहचान और भविष्य को प्रभावित करने वाले इस कदम को लेकर असंतोष जताया गया है। छात्रों में भी इस बात को लेकर रोष देखा गया है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी शैक्षणिक संस्थान केवल ज्ञान का केंद्र ही नहीं होता, बल्कि सामूहिक स्मृति का संरक्षक भी होता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में भी महाविद्यालय का नाम बदलकर 'वंदे मातरम? महाविद्यालय ' रखने का प्रयास किया गया था। लेकिन यह प्रयास हितधारकों के विरोध के चलते सिरे नहीं चढ़ सका था। अब बदलाव की कोशिश करने वालों को पिछले असफल प्रयास को एक सबक के रूप में देखना चाहिए था। दिल्ली विश्वविद्यालय को ऐसे किसी प्रयास से पहले विचार विमर्श करने तथा चिंतन करने की आवश्यकता है। खासकर, ऐसे वक्त में जब एक महान व्यक्तित्व का नाम और साथ ही एक सदी से अधिक की शैक्षणिक और नैतिक विरासत दांव पर लगी हो। इस धारा का उल्लंघन करने की स्थिति में भूमि अधिकार छीनने और जबरन विस्थापन जैसी गंभीर कार्रवाई भी की जा सकती है।

वैश्विक मंच पर महिलाओं का विरोध, अधिकारों की बुलंद आवाज

कानपुर से वेदिका शर्मा

दुनिया भर में महिलाओं के द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन आज एक सशक्त और जागरूक वैश्विक आंदोलन का रूप ले चुके हैं। यह आंदोलन अब किसी एक देश या मुद्दे तक सीमित नहीं रहा, बल्कि महिलाओं की बराबरी, सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की साझा लड़ाई बन गया है। अलग-अलग देशों में अलग परिस्थितियां हैं, लेकिन महिलाओं की आवाज़ का स्वर एक है। अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस।हर साल 8 मार्च को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के संघर्ष और चेतना का बड़ा प्रतीक बन चुका है। इस दिन एशिया, यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के कई देशों में महिलाएं सड़कों पर उतरकर लैंगिक समानता, समान वेतन, कार्यस्थल पर सम्मान, घरेलू हिंसा के खिलाफ सख्त कानून और निर्णय प्रक्रिया में बराबर की भागीदारी की मांग करती हैं।

कई देशों में ये प्रदर्शन उत्सव से आगे बढ़कर सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था को आईना दिखाने का जरिया बन गए हैं।यूरोप के कई देशों में महिलाओं ने कार्यस्थल पर भेदभाव और असमान वेतन के खिलाफ जोरदार आंदोलन किए हैं।

स्पेन और फ्रांस जैसे देशों में महिलाओं ने देखभाल से जुड़े कार्यों को आर्थिक मान्यता देने की मांग उठाई। इन आंदोलनों ने यह स्पष्ट किया कि घर और समाज को संभालने में महिलाओं की भूमिका को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मध्य पूर्व और एशिया में महिलाओं के विरोध प्रदर्शन और भी कठिन परिस्थितियों में हो रहे हैं। ईरान में महिलाओं ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सरकारी दमन के खिलाफ जो साहस दिखाया उसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा।

वहां महिलाओं को गिरफ्तारी और हिंसा का सामना करना पड़ा, फिर भी उनका संघर्ष रुका नहीं। तुर्की सहित कई देशों में घरेलू हिंसा और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए जिनमें सरकारों से ठोस कदम उठाने की मांग की गई।

अमेरिका और लैटिन अमेरिका में महिलाओं के आंदोलन प्रजनन अधिकारों, लैंगिक हिंसा और सामाजिक न्याय के सवालों पर केंद्रित रहे हैं। महिलाओं ने साफ तौर पर कहा कि उनके शरीर और जीवन से जुड़े फैसले लेने का अधिकार उन्हीं का होना चाहिए। इसके साथ ही नस्लीय भेदभाव और आर्थिक असमानता जैसे मुद्दे भी महिला आंदोलनों से जुड़े रहे हैं।

इन वैश्विक विरोध प्रदर्शनों को अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों का समर्थन भी मिला है। यह समर्थन इस बात का संकेत है कि महिलाओं की लड़ाई सिर्फ महिलाओं तक सीमित नहीं बल्कि एक समान, सुरक्षित और न्यायपूर्ण समाज की दिशा में उठाया गया कदम है।

कुल मिलाकर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं के विरोध प्रदर्शन यह दिखाते हैं कि महिलाएं अब चुप नहीं हैं।

वे संगठित होकर अपने अधिकारों और सम्मान के लिए खड़ी हो रही हैं। यह आंदोलन न केवल वर्तमान की चुनौतियों को सामने ला रहा है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर और समान भविष्य की नींव भी रख रहा है।

शिक्षक के सम्मान को महत्व देती नई शिक्षा नीति

एनईपी 2020

डा0 सुधीर कुमार

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर अधिकतर चर्चाएं पाठ्यक्रम और परीक्षा के पैटर्न पर होती हैं, लेकिन इस महायोजना के केंद्र में सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ शिक्षक है। यह नीति स्वीकार करती है कि कोई भी सुधार तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक उसे लागू करने वाला शिक्षक सशक्त, संतुष्ट और सम्मानित महसूस न करे।

शिक्षा किसी भी जीवंत राष्ट्र की वह नींव होती है जिस पर उसकी प्रगति का भव्य महल खड़ा होता है। भारत ने वर्ष 2020 में अपनी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिये इसी नींव को आधुनिक, लचीला और वैश्विक बनाने का संकल्प लिया है। अक्सर चर्चाएं केवल छात्रों के पाठ्यक्रम और परीक्षा के पैटर्न पर सिमटकर रह जाती हैं, लेकिन इस महायोजना के केंद्र में सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ शिक्षक है। यह नीति इस सत्य को स्वीकार करती है कि कोई भी सुधार तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक उसे लागू करने वाला शिक्षक सशक्त, संतुष्ट और सम्मानित महसूस न करे।पुरानी शिक्षा व्यवस्था में एक बड़ी शिकायत यह रही कि शिक्षक प्रशासनिक कार्यों और जटिल डेटा एंट्री के बोझ तले दबे रहते थे। एनईपी 2020 इस व्यवस्थागत जड़ता को तोड़ने का वादा करती है। नीति में स्पष्टतया 'रोडमैप' तैयार किया गया है जो शिक्षकों को उन गैर-शैक्षणिक गतिविधियों से मुक्ति दिलाने की बात करता है जो उनके मूल धर्म डुपढ़ाने- में बाधा डालते हैं। नीति का मानना है कि शिक्षक की ऊर्जा का निवेश केवल फाइलों में नहीं, बल्कि छात्रों के मस्तिष्क में कौतूहल पैदा करने में होना चाहिए। यह बदलाव शिक्षकों को वह रचनात्मक आजादी देगा, जिसकी वे दशकों से प्रतीक्षा कर रहे थे। अब वे कक्षा में सिर्फ एक तय पुस्तक तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि मौलिक नए प्रयोग करेंगे।

एक उत्कृष्ट शिक्षक वह है जो हमेशा एक जिज्ञासु 'विद्यार्थी' बना रहता है। नई नीति ने इस विचार को 'नेशनल प्रोफेशनल स्टैंडर्ड्स फॉर टीचर्स' के माध्यम से संस्थागत रूप दिया है। पहली बार भारतीय शिक्षकों के कार्यों का एक ऐसा पैमाना तय किया जा रहा है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर की बराबरी करेगा। इससे हमारे शिक्षकों को वैश्विक पहचान मिलेगी। इसके समानांतर,

सतत व्यावसायिक विकास के जरिये प्रत्येक शिक्षक को अपनी रुचि अनुसार साल में न्यूनतम 50 घंटे आधुनिक प्रशिक्षण का हक दिया गया है। यह प्रशिक्षण शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और समावेशी शिक्षा जैसे विषयों में पारंगत करने का मंच होगा। जब शिक्षक का ज्ञान आधुनिक होगा, तो कक्षा में उनका आत्मविश्वास और प्रभाव स्वतः बढ़ जाएगा।एनईपी 2020 शिक्षकों के चयन की प्रक्रिया में व्यापक सुधार की वकालत करती है। अब शिक्षक भर्ती केवल अंकों की दौड़ तक सीमित नहीं होगी। इसमें साक्षात्कार और कक्षा में पढ़ाने के प्रत्यक्ष प्रदर्शन को शामिल किया जाना इस पेशे की गंभीरता दर्शाता है। इसका बड़ा लाभ यह कि भविष्य में आपके सहकर्मी वे लोग होंगे जो असल में 'शिक्षण के प्रति जुनूनी' हैं। जब स्टाफरूम में समान विचारधारा वाले और योग्य सहकर्मी होंगे, तो कार्यस्थल संस्कृति में क्रांतिकारी सुधार आएगा। यह नीति सुनिश्चित करती है कि शिक्षण का पेशा सबसे मेधावी युवाओं की प्राथमिकता बने। योग्य सहकर्मी आने से कार्यभार साझा होगा और स्वस्थ शैक्षणिक माहौल बनेगा।

भारतीय संस्कृति में अनुभव को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। एनईपी 2020 इसी परंपरा को 'नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग' के माध्यम से पुनर्जीवित कर रही है। यह ऐसा अनूठा सेतु है जो सेवानिवृत्त और अनुभवी शिक्षकों को नए शिक्षकों के साथ जोड़ता है। अक्सर सेवा के बाद शिक्षकों का विशाल अनुभव व्यर्थ चला जाता था, लेकिन अब उन्हें समाज के 'बौद्धिक संरक्षक' के रूप में नई भूमिका मिलेगी। वरिष्ठ शिक्षकों का मार्गदर्शन नए शिक्षकों के लिए सुरक्षा कवच जैसा होगा, जो उन्हें कैरियर की शुरुआती चुनौतियों से निपटने में मदद करेगा।

शिक्षकों की पदोन्नति को लेकर नयी नीति ने 'मेरिट-आधारित' तंत्र का प्रस्ताव दिया है। अब पदोन्नति का रास्ता केवल वर्षों की सेवा से होकर नहीं गुजरेगा, बल्कि शिक्षक के शोध, नवाचार और छात्रों की प्रगति से तय होगा। यह उन शिक्षकों के लिए स्वर्णिम अवसर है जो अपनी शिक्षण पद्धति बेहतर बनाने में लगे रहते हैं। साथ ही, उच्च शिक्षा में शिक्षकों को लचीली कार्यसंस्कृति मिलेगी। यदि कोई शिक्षक अनुसंधान में उत्कृष्ट है, तो वह उस दिशा में बढ़ सकता है, और यदि किसी का झुकाव अध्यापन की ओर है, तो वह उसमें विशेषज्ञता हासिल करे। अक्सर क्षेत्रीय भाषाओं में पढ़ाने वाले शिक्षकों को वह दर्जा नहीं मिलता था जो अंग्रेजी माध्यम के शिक्षकों को मिलता था। एनईपी 2020 ने इस भाषाई भेदभाव को खत्म कर दिया। नीति ने मातृभाषा में शिक्षण को प्राथमिकता देकर उन शिक्षकों का सम्मान बढ़ाया है जो अपनी मिट्टी की भाषा में ज्ञान देने में माहिर हैं। इसके साथ ही, टेक्नोलॉजी को शिक्षक के 'सहयोगी' के रूप में पेश किया गया है। 'दीक्षा' और 'स्वयं' जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म शिक्षकों को वह कंटेंट और टूल्स दे रहे हैं जिन्हें तैयार करने में पहले घंटों लगते थे।

पूर्व सांसद का शायराना वार: बोलीं 'पिक्चर अभी बाकी है दोस्त'

2027 दूर, लेकिन अभी से बनने लगे चुनावी समीकरण, अंदरखाने सियासत तेज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र के ककवन कस्बे में आयोजित खिचड़ी भोज ने महज सामाजिक आयोजन की सीमा नहीं लांघी, बल्कि आने वाले विधानसभा चुनाव का सियासी ट्रेलर भी दिखा दिया। खिचड़ी के बहाने से आयोजित इस भोज में पूर्व सांसद डॉ. अंजू बाला ने मंच से शायरी और फिल्मी डायलॉग के जरिए विरोधियों पर तीखा वार किया और साथ ही अपनी नई राजनीतिक पारी के संकेत भी साफ़ तौर पर दे दिए।

स्थानीय पंचायत चुनाव के दावेदार अमितेश स्वर्णकार उर्फ अन्टू के पुराने ब्लॉक परिसर में हुए इस आयोजन में अपेक्षाकृत बेहतर भीड़ जुटी। मुख्य अतिथि पूर्व मिश्रिख सांसद एवं एससी-एसटी आयोग की सदस्य डॉ. अंजू बाला ने पहले संक्रांति की औपचारिक रस्म निभाई और फिर सीधे राजनीतिक पिच पर उतर आईं। अपने कार्यकाल के दौरान कराए गए विकास कार्यों का ज़िक्र करते हुए उन्होंने विरोधियों को निशाने पर लिया।

मंच से बोले गए संवाद ज़िंदगी हर कदम एक नई जंग है और पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त को सिर्फ़ शायरी या तंज नहीं, बल्कि बिल्हौर विधानसभा से संभावित दावेदारी का खुला संकेत माना जा रहा है। खिचड़ी भोज की आड़ में हुआ यह सामाजिक जुटाव दरअसल चुनावी टेस्ट-रन जैसा दिखा।

ग्रामीणों, पार्टी पदाधिकारियों और समर्थकों की मौजूदगी ने साफ कर दिया कि बिल्हौर-ककवन बेल्ट में चुनावी तापमान समय से पहले चढ़ने लगा है। स्थानीय राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह आयोजन पंचायत और विधानसभा-दोनों स्तरों पर साफ संदेश छोड़ गया है कि दावेदार मैदान में उतर चुके हैं और पूर्व सांसद की चाल अब पूरी तरह चुनावी मोड में है।इस दौरान अश्वनी बाजपेई,प्रभाकर अवस्थी, पिंकी कटियार कटियार, शिवराजपुर ब्लॉक प्रमुख शिवम समेत कई भाजपाई मौजूद रहे।

➪ **खिचड़ी भोज में विधानसभा समीकरणों की खुशबू, भाजपा खेमे में हलचल**

बिल्हौर में सक्रियता बढ़ी,नेताओं की सलाम-दुआ तेज

बिल्हौर विधानसभा सीट से फिलहाल भाजपा के विधायक राहुल बच्चा सोनकर हैं, लेकिन क्षेत्र में जिस तरह से भाजपा के ही कई बड़े और प्रभावशाली चेहरे सक्रिय हुए हैं, उससे अंदरखाने सब कुछ ठीक नहीं होने के संकेत मिल रहे हैं। पूर्व सांसद डॉ. अंजू बाला, पूर्व विधायक कमलेश चंद्र दिवाकर, पूर्व विधायक व मंत्री अरुणा कोरी और मनोज दिवाकर ये सभी दिग्गज नेता बिल्हौर क्षेत्र में सक्रियता बढ़ाए हुए हैं। और अपनी-अपनी दावेदारी के संकेत दे रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, इन नेताओं की सक्रियता को लखनऊ और दिल्ली में बैठे शीर्ष नेताओं का आशीर्वाद भी हासिल है। सभी भाजपा से जुड़े होने के बावजूद अंदरूनी खींचतान साफ दिखाई देने लगी है। उधर समाजवादी पार्टी की ओर से पूर्व प्रत्याशी रही रचना सिंह लगातार संघर्षशील बनी हुई हैं, लेकिन उनकी राह में विनय कोरी सियासी रोड़ा बनते नजर आ रहे हैं। हालांकि विधानसभा चुनाव 2027 में होने हैं, लेकिन 2026 से ही बिल्हौर में समीकरण गढ़े जाने लगे हैं। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि आने वाला चुनाव यहां सिर्फ दलों के बीच नहीं, बल्कि दावेदारों के बीच भी दिलचस्प जंग का गवाह बनेगा।

मकनपुर में बसंत मेले की तैयारियां पूरी, कल से शुरू

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। कानपुर के ऐतिहासिक कस्बा मकनपुर स्थित दरगाह जिंदा शाह मदार पर लगने वाले बसंत मेले की सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। कल यानी शनिवार को इस 607वें ऐतिहासिक बसंत मेले का उद्घाटन जिलाधिकारी कानपुर नगर जितेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा किया जाएगा।

तहसीलदार अनुभव चंद्रा ने बताया कि मेले को लेकर प्रशासनिक स्तर पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहेंगे, ताकि मेले के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। वहीं मेला खजांची एवं लेखपाल सुनील चौधरी ने बताया कि एसडीएम, तहसीलदार तथा जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में मेले की सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त की गई हैं। साफ-सफाई, सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। बसंत पर्व के अवसर पर लगने वाले इस ऐतिहासिक मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है।

➪ **कानपुर डीएम जितेन्द्र प्रताप सिंह करेंगे मेले का उदघाटन**

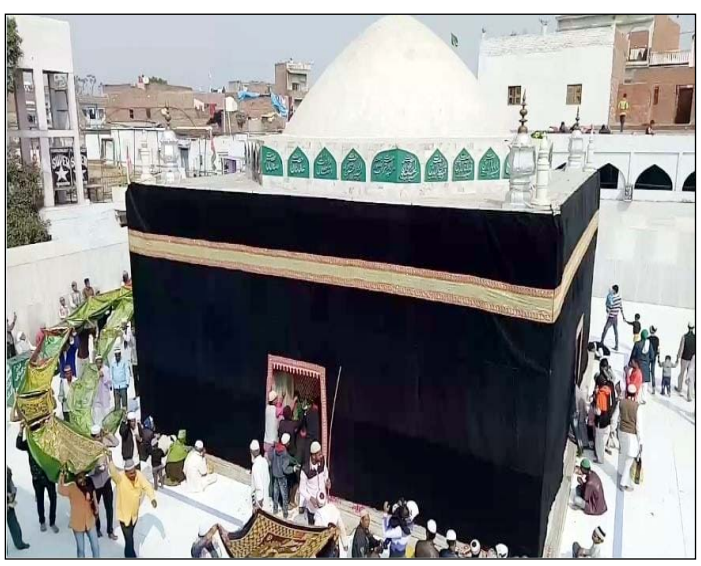

सांसद ने सुनी आशा कार्यकर्ताओं की पीड़ा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। शिवराजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहीं आशा कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुनने सांसद पहुंचे। इस दौरान आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों से सांसद को अवगत कराया और ज्ञापन सौंपा।

बताया गया कि आशा कार्यकर्ता संगठन बीते 15 दिसंबर से लगातार शिवराजपुर सीएचसी पर धरना-प्रदर्शन कर रही हैं। कई बार अधिकारियों से वार्ता के बावजूद जब कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला, तो आशा कार्यकर्ताओं ने जनप्रतिनिधि से हस्तक्षेप की मांग की। और ज्ञापन सौंपा। मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र के सांसद अशोक रावत ने मौके पर मौजूद आशा कार्यकर्ताओं की बातों को गंभीरता से सुना और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान जेपी कटियार, रवि वाजपेई समेत कई भाजपाई मौजूद रहे।

ककवन-बिल्हौर में धूमधाम से मनाया सपा सांसद डिम्पल यादव का जन्मदिन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ सांसद एवं मैनपुरी से लोकसभा सदस्य डिम्पल यादव का जन्मदिन ककवन ब्लॉक और बिल्हौर कस्बे में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रमों में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय लोगों की बड़ी मौजूदगी रही।

ककवन ब्लॉक में आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व सपा विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने किया। यहां पर केक काटकर जन्मदिन मनाया गया और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। विनय यादव ने डिम्पल यादव को समाजवादी विचारधारा की सशक्त आवाज बताते हुए उनके दीर्घायु की कामना की। इसी क्रम में सपा कानपुर ग्रामीण के तत्वावधान में बिल्हौर स्थित सपा कार्यालय में आयोजन हुआ। अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष चौधरी निर्भय सिंह यादव ने की, जबकि मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मुनीन्द्र शुक्ला रहे। इस मौके पर विनय कोरी और समाजसेवी अनूप यादव के सहयोग से सैकड़ों कंबल गरीब महिलाओं व बुजुर्गों में वितरित किए गए। कार्यक्रम में सामाजिक एकता, भाईचारे और जनसेवा का संदेश दिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में सपाई मौजूद रहे।

दफ्तर नहीं पहुंचे अफसर, सीडीओ ने चेतावनी देते हुए मांगा जवाब

मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यालयों के उपस्थिति सजिस्टर का किया औचक निरीक्षण

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल ने विकास भवन स्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति का रजिस्टर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कई अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित नहीं थे।इस लापरवाही पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए उनसे स्पष्टीकरण तलब किया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी समय से कार्यालय में उपस्थित रहकर शासकीय कार्यों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी आकस्मिक अवकाश पर जाना चाहता है, तो उसे मानव सम्पदा पोर्टल पर अवकाश का अंकन कराना अनिवार्य होगा। अवकाश स्वीकृत होने के पश्चात ही संबंधित कार्मिक मुख्यालय से प्रस्थान करेगा। उपस्थिति पंजिकाओं के अवलोकन में लघु सिंचाई विभाग से राकेश कुमार (प्रधान सहायक), विक्रांत कुशवाहा (कनिष्ठ सहायक), हिमांशु कुमार (कनिष्ठ सहायक), कमल कुमार (मैकेनिक), जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय से अनुपम (डीपीएम) तथा आर.ई.डी. विभाग से महेंद्र वर्मा (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी) अनुपस्थित पाए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही न बरतने की सख्त चेतावनी दी है।

खिचड़ी भोज के साथ सम्मान समारोह

कानपुर देहात माती। सरवनखेड़ा चौराहे पर मां अन्नपूर्णा स्वीट एंड नमकीन भंडार की ओर से खिचड़ी भोज किया गया। राजकुमार गुप्ता, अध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल सरवनखेड़ा ने कार्यक्रम के दौरान हजारों श्रद्धालुओं, राहगीरों, किसानों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों को खिचड़ी वितरित की। इस मौके पर पत्रकार एवं समाजसेवकों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने कहा कि व्यापार के साथ-साथ समाज सेवा भी हमारी जिम्मेदारी है। स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारियों ने कहा कि यह पहल केवल धार्मिक परंपरा का निर्वहन नहीं, बल्कि सेवा और सम्मान की प्रेरणादायी मिसाल है।

आधी रात को डेरापुर में लाखों की चोरी

अलमारी व बक्सों को तोड़कर नकदी, जेवरात पर किया हाथ साफ

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर देहात। डेरापुर थाना क्षेत्र के मुर्रा गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घर से कीमती जेवरात और करीब 50 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए।

मुर्रा गांव निवासी अमरीश कुमार गुरुवार रात अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। शुक्रवार सुबह जब उनकी नींद खुली तो कमरों का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। घर का सामान बिखरा पड़ा था, अलमारी और बक्सों के कुंडे टूटे हुए थे। जांच करने पर लाखों रुपये के जेवरात और करीब 50 हजार रुपये नकद गायब मिले। घटना की जानकारी मिलते ही अमरीश कुमार ने तुरंत डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर डेरापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही चोरों की पहचान कर गिरफ्तार किया जाएगा।

जैतीपुर में मोर की राष्ट्रीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई, कुत्ते के हमले में हुआ था घायल

राष्ट्रीय ध्वज के साथ मोर को अंतिम सलामी दी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात । जैतीपुर कुंतलिया स्थित श्री ज्वाला देवी ज्ञानदा इंटर कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने एक घायल मोर को बचाया। कुत्तों द्वारा घायल किए गए इस राष्ट्रीय पक्षी ने उपचार के लिए ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। कैडेट्स ने मोर को राष्ट्रीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी।

यह घटना ग्राम बददापुरवा में हुई, जहां कुत्तों ने एक मोर को घायल कर दिया था। एनसीसी कैडेट्स ने मोर को देखा और उसे बचाने का प्रयास किया। हालांकि, गंभीर चोटों के कारण मोर को बचाया नहीं जा सका और उसने रास्ते में ही अंतिम सांस ली।

मोर के निधन की सूचना मिलने पर एनसीसी के लेफ्टिनेंट वीर सिंह (एएनओ) ने राष्ट्रीय पक्षी को राष्ट्रीय सम्मान के साथ विदा करने का निर्णय लिया। उन्होंने वन विभाग को भी सूचित किया।

एनसीसी कैडेट्स और ग्रामीणों ने मिलकर मोर के पार्थिव शरीर को झींझक वन विभाग के कर्मचारी प्रेम बाबू को सौंप दिया। इस दौरान कैडेट्स आनंद पाल, आशीष पाल, मयंक पाल, गुलशन शर्मा सहित कई ग्रामवासी उपस्थित रहे और उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज के साथ मोर को अंतिम सलामी दी।

इमलिया सराय ने कमर्शियल घार को हराकर उद्घाटन मैच जीता

श्री दियूल बाबा क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ, हजारों दर्शक रहे मौजूद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड के पुलंदर गांव में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 15 जनवरी से श्री दियूल बाबा क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। 11वीं बार आयोजित इस टूर्नामेंट का उद्घाटन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बीके तिवारी, राघवेंद्र सिंह भदौरिया एवं मन्नत हॉस्पिटल के संचालक डॉ. मनीष सचान ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य बडेलाल चौहान भी उपस्थित रहे।

उद्घाटन लीग मैच में इमलिया सराय क्रिकेट टीम ने कमर्शियल क्रिकेट टीम घार को हराकर शानदार जीत दर्ज की और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। घार टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया, लेकिन इमलिया सराय की सधी हुई गेंदबाजी के सामने घार टीम कम रनों पर सिमट गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए इमलिया सराय की टीम ने मात्र 10 ओवर में ही आवश्यक रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच देखने के लिए हजारों दर्शक मैदान पर मौजूद रहे। इस मौके पर टूर्नामेंट अध्यक्ष धर्मवीर सिंह राजावत, सोनू सिंह भदौरिया, गौरव तिवारी ठेकेदार, पंकज त्रिपाठी पत्रकार, बलराम चतुर्वेदी पत्रकार, सुबोध पत्रकार, सुनील प्रजापति,अटल वाजपेई, सुनील तिवारी, धर्मेंद्र सिंह राजावत, देवेंद्र सिंह कोटेदार, रोजगार सेवक पुलंदर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

भोगनीपुर अग्निशमन केंद्र में तैनात फॉलोवर का हार्टअटैक से निधन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अग्निशमन केंद्र भोगनीपुर में फॉलोवर के पद पर तैनात सिपाही रामबाबू उर्फ रामू का हृदयगति रुकने से आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से अग्निशमन विभाग सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

परिजनों के अनुसार रामबाबू सबिता को हार्ट अटैक आया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। पोस्टमार्टम के उपरांत शव को अग्निशमन केंद्र भोगनीपुर लाया गया, जहां विभाग की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर (सलामी) दी गई। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। रामबाबू उर्फ रामू अपने मिलनसार स्वभाव और कर्तव्यनिष्ठा के लिए जाने जाते थे।

रसूलाबाद में अमृत सरोवर योजना कागजों में 'लबालब'

लाखों खर्च होने के बावजूद सूखा पड़ा तालाब, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद विकासखंड के मैजू समस्तपुर गांव में अमृत सरोवर योजना के तहत बनाए गए तालाब में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। सरकारी अभिलेखों में लाखों रुपये की लागत से निर्मित दर्शाया गया यह तालाब जमीनी हकीकत में पूरी तरह सूखा पड़ा है, जिससे जल संरक्षण को लेकर सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पर सवाल खड़े हो गए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि तालाब निर्माण में घटिया सामग्री का खुलेआम प्रयोग किया गया। तालाब के दोनों ओर बनाई गई सीढ़ियां निर्माण के कुछ ही दिनों बाद चटककर टूट गईं। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य के दौरान ही ठेकेदार, कार्यदायी संस्था और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की थी, लेकिन उनकी आपत्तियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। हैरानी की बात यह है कि वर्तमान में

तालाब में पानी का नामोनिशान तक नहीं है, जबकि मौके पर लगे साइन बोर्ड पर बड़े अक्षरों में लिखा है यहां नहाना व कपड़े धोना वर्जित है, तालाब गहरा है। यह बोर्ड योजना की जमीनी सच्चाई का मजाक उड़ाता नजर आ रहा है। तालाब की स्थिति इतनी बदहाल है कि उसके चारों ओर मवेशी बांधे जा रहे हैं और जगह-जगह गोबर के ढेर लगे हुए हैं। पूरा क्षेत्र अब तालाब नहीं, बल्कि एक उपेक्षित खाली मैदान जैसा दिखाई देता है। ग्रामीणों का यह भी सवाल है कि क्या इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों पर कोई कार्रवाई होगी, या फिर यह अमृत सरोवर भी अन्य योजनाओं की तरह फाइलों में ही लबालब भरा रहेगा?। ग्रामीणों ने उच्चस्तरीय जांच कराए जाने और दोषी ठेकेदारों व अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी रसूलाबाद से संपर्क करने का दो बार प्रयास किया लेकिन संपर्क नहीं हो सका है। एडीओ पंचायत से जानकारी किया उनका कहना है ये नरेगा से संबंधित सवाल है ये सवाल का जवाब बीडीओ साहब ही दे पाएंगे।

सूखे पड़े अमृत सरोवर की यह है दशा

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 । **Email:** swarajindia2023@gmail.com । **Mob:** 7800009853, । **Website:** www.swarajindianews.com । **(समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)** प्रादेशिक कार्यालय :4ए/5,119/10बी, खान बिल्डिंग, पार्क रोड हजरतगंज

11 हजार वोल्ट लाइन ठीक करते समय लाइनमैन की करंट लगने से मौत

शटडाउन के बावजूद हादसा, अधिकारियों की भूमिका पर उठे सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के अचलीपुरवा गांव में गुरुवार को 11 हजार वोल्ट विद्युत लाइन में फॉल्ट ठीक करते समय संविदा लाइनमैन की करंट की चपेट में आकर मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक गहोलिया गांव निवासी राधेश्याम शर्मा बिजली विभाग में संविदा लाइनमैन के पद पर कार्यरत थे।

दोपहर में अचलीपुरवा गांव में रामचंद्र यादव के ट्यूबवेल के पास 11 हजार लाइन में फॉल्ट आने पर राधेश्याम शटडाउन लेकर पोल पर चढ़कर मरम्मत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक लाइन में करंट आ गया, जिससे वह झुलसते हुए पोल से नीचे गिर पड़े। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के समय आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल परिजनों व पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक की पुत्री निधि और भाई छुटकन मौके पर पहुंचे, जिनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। वहीं सूचना पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी सदर संजय सिंह और पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

शटडाउन पर विभागीय अधिकारी ने पल्ला झाड़ा

लाइनमैन की मौत के बाद बिजली विभाग के अधिकारियों ने शटडाउन दिए जाने की बात से इनकार किया। एक्सईएन पुष्प देव सिंह ने बताया कि किसके द्वारा शटडाउन दिया गया था, इसकी जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

पांच घंटे बाद उठ सका शव

राधेश्याम शर्मा की मौत के बाद आक्रोशित परिजनों ने शव को करीब पांच घंटे तक उठने नहीं दिया। बाद में मौके पर पहुंचे उच्च अधिकारियों द्वारा आर्थिक सहायता और कार्रवाई के आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए, तब जाकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा सका।

कड़ाके की ठंड में किसान की हार्टअटैक से मौत

» परिवार वालों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से किया इनकार

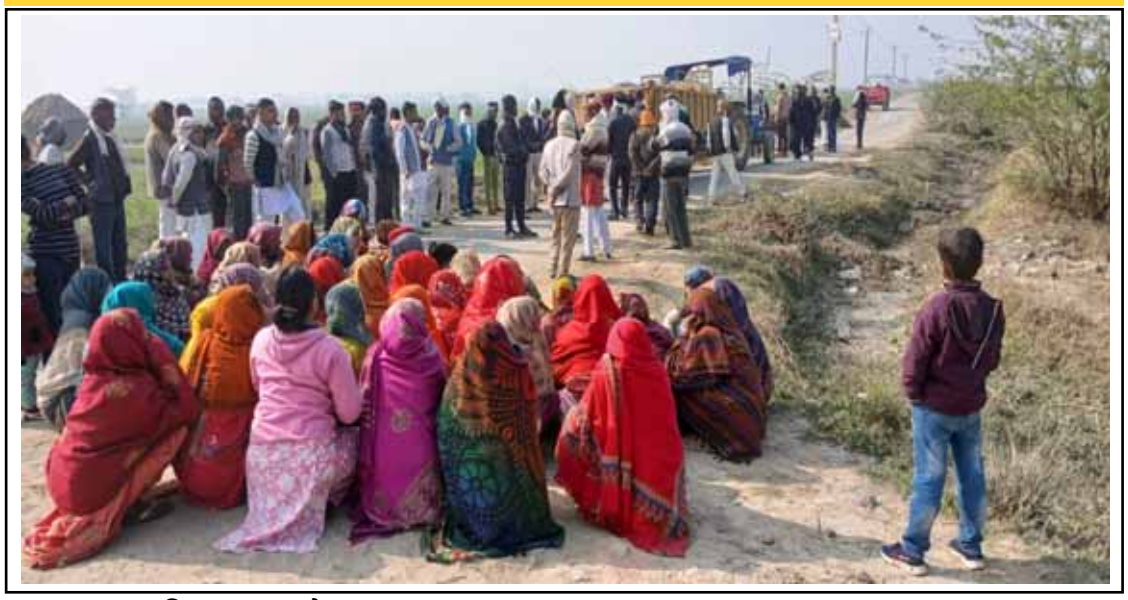

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भले ही दिन में धूप निकल रही हो, लेकिन सुबह-शाम कड़ाके की ठंड व शीतलहर के कारण लोगों की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। इसी बीच रसूलाबाद थाना क्षेत्र के पितानपुरवा गांव में ठंड के चलते एक बुजुर्ग किसान की मौत हो गई।

पितानपुरवा गांव निवासी लक्ष्मी गौतम (65) बीती रात अपने घर में सो रहे थे। सुबह अचानक उन्हें दिल का दौरा पड़ गया। परिजन कुछ समझ पाते, उससे पहले ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण मृतक के घर पहुंचे और शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। वहीं परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया, जिसके बाद बिना पोस्टमार्टम के ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

सतगुरु की पूजा मंगलकारी गुरु कृपा से मिलती है मुक्ति

जोन स्तरीय निरंकारी संत समागम का आयोजन किया गया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। संत निरंकारी मिशन कानपुर जोन द्वारा डेरापुर क्षेत्र के ग्राम ठेना मऊ नोनारी में जोन स्तरीय निरंकारी संत समागम का आयोजन किया गया। मिशन के जोन संयोजक महात्मा बृजेश वर्मा ने कहा कि सतगुरु की पूजा पावन और मंगलकारी होती है। गुरु के वचनों से ज्ञान की प्राप्ति तथा गुरु की कृपा से मुक्ति संभव है।

उन्होंने कहा कि गुरु के चरण कमलों की पूजा से प्रभु की पूजा का मार्ग प्रशस्त होता है। सतगुरु करुणा, दया और सौम्यता की मूर्ति होते हैं। उनका जीवन गंगा की निर्मल, शीतल जलधारा के समान पावन होता है और उनका कार्य भी मानव जीवन को शीतलता प्रदान करना होता है।

महात्मा बृजेश वर्मा ने कहा कि साकार और निराकार को जानना अत्यंत आवश्यक है, तभी भक्ति दृढ़ हो पाती है। सतगुरु अंतर्यामी होते हैं और जब वे जीवन में प्रवेश करते हैं तो खुशियां स्वतः आ जाती हैं। सतगुरु ही परमात्मा से मिलाने का माध्यम बनते हैं। बाबा हरदेव सिंह जी महाराज ने भी यही शिक्षा दी कि सत्संग के बिना मानव जीवन का पार उतरना संभव नहीं है, इसलिए प्रत्येक अवसर पर सत्संग का सहारा लेना चाहिए।महात्मा बृजेश वर्मा ने वर्तमान समय पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज मानव धन के लिए व्यापार के साथ-साथ नफरतों का वैश्वीकरण कर रहा है, जबकि सतगुरु प्यार के वैश्वीकरण का संदेश देते हैं, जिसकी आज सबसे अधिक आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन महात्मा करुणा शंकर (झींझक) ने किया। संत समागम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अवैध प्लाटिंग पर केडीए का बड़ा प्रहार, 6 बीघे क्षेत्र में ध्वस्तीकरण

बिठूर इलाके में बिना लेआउट और और नक्शे से हो रही है प्लाटिंग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर को अनियोजित विकास से मुक्त रखने की दिशा में कानपुर विकास प्राधिकरण ने एक और सख्त कदम उठाया है। उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्यांयाल के निर्देशन में प्रवर्तन जोन-1बी द्वारा ग्राम हिन्दूपुर क्षेत्र में लगभग 6 बीघे में विकसित की जा रही अवैध एवं अनाधिकृत प्लाटिंग के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की प्रभावी कार्रवाई की गई।

यह कार्रवाई विशेष कार्याधिकारी एवं उपजिलाधिकारी डॉ रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई। अभियान के दौरान क्षेत्रीय अवर अभियंता हिमांशु बर्नवाल, प्रवर्तन अनुभाग के सभी कार्मिक तथा थाना-बिठूर का पर्याप्त पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा, जिससे कार्रवाई शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से पूरी की जा सकी।

प्राधिकरण द्वारा बिना ले-आउट स्वीकृति एवं बिना अनुज्ञा विकसित की जा रही प्लाटिंग को ध्वस्त करते हुए संबंधित स्थलों पर वैधानिक नोटिस भी चस्पा किए गए।

यह स्पष्ट किया गया कि बिना प्राधिकरण की अनुमति के किसी भी प्रकार का भूमि विकास पूर्णतः अवैध है और उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विशेष कार्याधिकारी डॉ रवि प्रताप सिंह ने बताया कि थाना कल्याणपुर और बिठूर क्षेत्र के अंतर्गत स्थित ग्रामों में लगभग 7 बीघे क्षेत्रफल की अन्य अवैध प्लाटिंग भी चिन्हित की जा चुकी है, जिन पर लगातार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी है।

उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि भूमि क्रय करने से पूर्व कानपुर विकास प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें और मानचित्र स्वीकृत कराकर ही भवन निर्माण कराएं?

ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की आर्थिक और मानसिक क्षति से बचा जा सके।

कानपुर विकास प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि अवैध और अनियोजित विकास के विरुद्ध यह अभियान आगे भी निरंतर और सख्ती के साथ जारी रहेगा, ताकि शहर का विकास सुव्यवस्थित, सुरक्षित और नियोजित रूप से हो सके।

बेतरतीब सड़क पर अनियंत्रित हुई बाइक

पानी की टंकी से टकराई, भतीजे की मौत और चाचा गंभीर घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। किदवई नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात सड़क हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके चाचा गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन इस घटना ने नगर निगम और पीडब्ल्यूडी के पैचवर्क दावों की पोल खोल दी है।

कानपुर के किदवई नगर थाना क्षेत्र में बारादेवी से नौबस्ता जाते समय पुरानी फूल मंडी के पास गुरुवार देर रात ऊंची-नीची बेतरतीब बनी सड़क पर उछलकर तेज रफ्तार बाइक सवार भतीजा और पीछे बैठे चाचा सामने बनी सीमेंटेड पानी की टंकी से टकरा गए।

हादसे में बिना हेलमेट युवक के सिर में चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई,

जबकि चाचा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में मौके पर पहुंचे परिजनों ने को घायल चाचा को हैलट भिजवाया। वहीं, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेज दिया।

नौबस्ता के के ब्लॉक गोवर्धनपुरवा निवासी चंद्रशेखर हैलट में वार्ड बॉय हैं। उन्होंने बताया कि बेटा साहिल उर्फ गोरे (19) की नौबस्ता सीएनजी पेट्रोल पंप के सामने मैगी शॉप है।

बताया कि गुरुवार रात करीब 11:30 बजे दुकान बंद करने के बाद साहिल धरीपुरवा निवासी मुंह बोले चाचा सिकंदर लाला के साथ परेड बिरयानी खाने के लिए गया था।

रात 12:30 बजे के वह दोनों बाइक से बारादेवी चौराहे के पास पहुंचे थे। वहां से दूध खरीदने के बाद वह अपने घर जा रहे थे।

अभी वह दोनों पुरानी फूलमंडी के पास पहुंचे ही थे कि एक मीट शॉप के सामने सड़क पर बेतरतीब पैचवर्क में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी सीमेंटेड पानी की टंकी में टकरा गई।

हेलमेट न लगाए होने के कारण साहिल के सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई।

परिजनों का कहना था कि अगर हेलमेट लगा होता और सड़क ठीक होती,

तो हादसा न हुआ होता। घटना के बाद बड़े भाई अंकित, मां राधिका, बहन आरती बिलख पड़े।

जांच के कागज ‘अंडरग्राउन्ड’ ज़मीन पर अतिक्रमण का कब्जा

रुदौली में आदेशों की अवहेलना, अवैध स्कूलों को संरक्षण पर प्रशासन चुप

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। योगी सरकार के जीरो टॉलरेंस और पारदर्शी प्रशासन के दावों के बीच रुदौली तहसील से एक ऐसा मामला सामने आया है, जो न सिर्फ राजस्व तंत्र की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है, बल्कि यह भी उजागर करता है कि कैसे जांच के आदेश फाइलों में दबा दिए जाते हैं और ज़मीन पर अतिक्रमण फलता-फूलता रहता है।

स्वराज के हाथ लगे दस्तावेज़ बताते हैं कि पत्र संख्या 263/एसटी-आरो/जांच-अतिक्रमण/25 दिनांक 14 अक्टूबर 2025 के माध्यम से स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि ग्राम रौजागांव स्थित गाटा संख्या 1735, 1745 व 1746 पर संचालित हंस इंटर कॉलेज और राजेश्वरी बाल शिक्षा निकेतन के संबंध में पृथक राजस्व टीम/जांच समिति गठित कर वस्तुस्थिति की जांच कराई जाए। आरोप गंभीर थे सरकारी भूमि पर अतिक्रमण, मानकों के विपरीत निर्माण

और नियमों को ताक पर रखकर प्राप्त की गई शैक्षणिक मान्यता।हैरानी की बात यह है कि स्पष्ट आदेशों के बावजूद न जांच समिति का प्रभावी गठन हुआ, न स्थल निरीक्षण किया गया, न ही अभिलेखों की विधिवत जांच सामने आई। दिनांक 06 अक्टूबर 2025 को शिकायतकर्ता द्वारा सभी आवश्यक दस्तावेज़ और प्रमाण प्रस्तुत किए जाने के बाद भी प्रशासनिक मशीनरी मानो ठहर सी गई। स्वराज की पड़ताल में सामने आया है कि यह विलंब महज़ लापरवाही नहीं, बल्कि सुनियोजित निष्क्रियता का संकेत देता है।

अवैध मान्यता का काला सच

सूत्रों के मुताबिक, जिन शिक्षण संस्थानों की जांच लंबित है, उनके पास न तो मानक के अनुरूप भूमि है और न ही भवन। इसके बावजूद वर्षों से संचालन जारी है। यही नहीं, मान्यता निरस्तीकरण की संस्तुति के बावजूद कार्रवाई न होना

इस आशंका को और मजबूत करता है कि अवैध निर्माण और अतिक्रमण को प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त है। राजस्व विभाग की यह निष्क्रियता न केवल शासनादेशों की अवहेलना है, बल्कि इससे यह संदेश भी जाता है कि कानून सबके लिए बराबर नहीं है। शिकायत कर्ता का सवाल है कि जब जांच के स्पष्ट आदेश थे, तो समिति क्यों नहीं बनी? किसके दबाव में सरकारी भूमि पर बने अवैध स्कूलों पर कार्रवाई रोकी गई?।

रुदौली में ‘भौकाल’ हुआ ढेर

डीएम ने प्रधान का शस्त्र लाइसेंस किया निरस्त

हर्ष फायरिंग का हश्र

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रुदौली तहसील क्षेत्र से आई इस कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि सत्ता का नशा और अवैध हथियारों का प्रदर्शन अब महंगा पड़ेगा। दीपावली के दिन की गई हर्ष फायरिंग ग्राम प्रधान को ऐसी पड़ी कि गोली के साथ-साथ उसका शस्त्र लाइसेंस भी चला गया। जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाते हुए लाइसेंस निरस्त कर दिया और शस्त्र को तत्काल मालखाने में जमा कराने का आदेश जारी कर दिया।

दीपावली के दिन ग्राम प्रधान ने की थी हर्ष फायरिंग

मामला पटरंगा थाना क्षेत्र के सरैठा गांव का है, जहां वर्ष 2024 की दीपावली पर ग्राम प्रधान अमरेश यादव और उसके बेटे चंदन यादव व पंकज यादव खुलेआम रिपीटर से फायरिंग करते नजर आए। यह कोई अफवाह नहीं, बल्कि वीडियो के रूप में सामने आया वह सच था, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। हर्ष फायरिंग के इस वीडियो ने गांव के कथित रौब-रुतबे और फर्जी भौकाल की परतें उधेड़ दीं। इस पूरे मामले में निर्णायक भूमिका निभाई सरैठा के पूर्व ग्राम प्रधान धीर सिंह ने। उन्होंने न सिर्फ शिकायत दर्ज कराई, बल्कि कई ठोस साक्ष्य भी जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए। इन्हीं प्रमाणों के आधार पर जिला प्रशासन को कार्रवाई के लिए मजबूर होना पड़ा।

जैसे ही उच्च अधिकारियों ने सख्ती दिखाई, वैसे ही स्थानीय पुलिस की नींद टूटी। आनन-फानन में रिपोर्ट तैयार की गई और मामले को आगे बढ़ाया गया। यह वही पुलिस थी, जिस पर लाइसेंस होल्डर पंकज कुमार यादव को बचाने के आरोप लगते रहे और गांव में अपनी साख तक दांव पर लगा दी गई। जिलाधिकारी के आदेश के बाद न केवल शस्त्र लाइसेंस निरस्त हुआ, बल्कि रिपीटर को मालखाने में जमा कराने का स्पष्ट निर्देश भी दिया गया। इसके साथ ही पीड़ित की ओर से धमकी दिए जाने की शिकायत सामने आने के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने की प्रक्रिया भी तेज हो गई है।

ड्यूटी पर वर्दी, छुट्टी के दिन धोती-कुर्ता

» भारतीय परिधान से पुलिस कास्टेबल रवि जायसवाल की अलग पहचान

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जहां आज की पीढ़ी आधुनिक पहनावे को प्राथमिकता दे रही है, वहीं अयोध्या पुलिस में तैनात जवान रवि जायसवाल भारतीय परिधान के प्रति अपने लगाव के कारण अलग पहचान बना रहे हैं। ड्यूटी से इतर समय हो या अवकाश के दिन, वे प्रायः धोती-कुर्ता जैसे पारंपरिक भारतीय परिधान में ही नजर आते हैं।रवि जयसवाल का कहना है कि भारतीय परिधान केवल वस्त्र नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और सभ्यता की पहचान हैं। धोती-कुर्ता पहनने से उन्हें अपने संस्कारों और भारतीय मूल्यों की निरंतर याद बनी रहती है। उनका मानना है कि भारतीय परिधान पहनने में किसी प्रकार की शर्म नहीं, बल्कि यह गर्व और आत्मसंतोष का विषय है। समारोहों, और छुट्टियों के दौरान उसका पारंपरिक वेश में रहना लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनता है। वे मानते हैं कि जब एक पुलिसकर्मी भारतीय संस्कृति को प्रस्तुत करता है, तो उसका सकारात्मक संदेश दूर तक जाता है।

पूर्व सांसद विनय कटियार रामलला दरबार पहुंचे

अयोध्या। राम मंदिर आंदोलन के फायर ब्रांड नेता और पूर्व सांसद विनय कटियार मकर संक्रांति पर्व के मौके पर बृहस्पतिवार को रामलला के दर्शन करने पहुंच गए। उनके काफिले को राम मंदिर के आद्य शंकराचार्य द्वार पर कुछ देर के लिए रुकना पड़ा।कहा गया कि उनके प्रोटोकाल का पास अभी उस जगह तक नहीं पहुंचा है। इसको लेकर कटियार के समर्थक नाराज हो उठे। थोड़ी देर बाद वाहनों की चेकिंग कर उनके वाहनों को जाने दिया गया।

इस बारे में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सूत्रों का कहना है कि विनय कटियार बिना किसी पूर्व सूचना के दर्शन करने के लिए पहुंच गए थे। इसलिए उन्हें कुछ समय के लिए प्रवेश द्वार पर रुकना पड़ा। जैसे ही ट्रस्ट को उनके आने की जानकारी मिली तो 10 मिनट के भीतर ही कटियार के काफिले को राम मंदिर में जाने दिया गया।

बांग्लादेश में हिन्दू शिक्षक के घर पर भीड़ ने लगाई आग

वीडियो वायरल, अल्पसंख्यक समुदाय में असुरक्षा की भावना गहरा गई

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

ढाका। सिलहट ज़िले के गोवाईघाट उपजिला के बहोर गाँव में एक गंभीर और चिंताजनक घटना सामने आई है, जहाँ हिन्दू समुदाय से जुड़े स्कूल शिक्षक बीरेंद्र कुमार डे (स्थानीय रूप से 'झुनू सर' के नाम से प्रसिद्ध) के घर को कथित तौर पर उग्र भीड़ ने आग के हवाले कर दिया। घटना के समय शिक्षक और उनके परिवार के लोग भागने में सफल रहे, लेकिन पूरा घर जलकर राख हो गया और उन्हें जान बचाकर भागना पड़ा।

बांग्लादेश के सिलहट ज़िले के गोवाईघाट उपजिला के बहोर गाँव, नंदिरगाँव यूनियन में यह घटना हुई। उग्र भीड़ ने अचानक हमला किया और बीरेंद्र कुमार डे के आवास में आग लगा दी, जिसके चलते पूरा घर जलकर खाक हो गया। परिवार के सदस्य किसी तरह जान बचाकर भाग निकले; किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन आर्थिक नुकसान भारी बताया जा रहा है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है, जिसमें

आग की भयानक लपटें और अफरातफरी का दृश्य स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

इस घटना के बाद स्थानीय हिन्दू समुदाय और आसपास के निवासियों में भय और असुरक्षा का माहौल फैल गया है। कई लोग इसे अल्पसंख्यकों पर बढ़ते हमलों की एक कड़ी के रूप में देख रहे हैं। पीड़ित बीरेंद्र कुमार डे को समुदाय में 'झुनू सर' के नाम से सम्मानित शिक्षक के रूप में जाना जाता है, और उनके घर को निशाना बनाए जाने से इलाके में तनाव बढ़ गया है। स्थानीय पुलिस ने मामले की जानकारी मिलने पर जांच शुरू की है और आगजनी में शामिल लोगों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है, हालांकि फिलहाल किसी गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं मिली है। यह घटना बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े करती है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता का विषय बनी हुई है।

- घटना स्थानः बहोर गाँव, नंदिरगाँव यूनियन, गोवाईघाट उपजिला, सिलहट ज़िला, बांग्लादेश।
- पीड़ित हिन्दू स्कूल शिक्षक बीरेंद्र कुमार डे (स्थानीय नाम 'झुनू सर').
- उग्र भीड़ ने घर में आग लगाई, पूरा घर राख।
- परिवार जान बचाकर भागा, कोई हताहत नहीं।
- घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल।
- स्थानीय हिन्दू समुदाय में भय और असुरक्षा।
- पुलिस दोषियों की पहचान के प्रयास कर रही

यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारी अंतिम चरण में

बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद जल्द हो सकता है फ़ैसला

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सियासी हलचल तेज़ हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद राज्य सरकार में विस्तार और संभावित फेरबदल पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर होमवर्क लगभग पूरा कर लिया गया है और अब केंद्रीय नेतृत्व की स्वीकृति का इंतज़ार है।

सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत यूपी बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता जल्द ही दिल्ली दौरे पर जाएंगे। इस दौरान पार्टी आलाकमान के साथ संभावित मंत्रियों के नाम, मौजूदा मंत्रियों के प्रदर्शन और सरकार की आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा होगी। कुछ दिनों पहले यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी ने लखनऊ में दोनों उपमुख्यमंत्रियों से अलग-अलग मुलाकात कर संगठनात्मक और प्रशासनिक फीडबैक लिया था। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्रवार दौरे कर ज़मीनी रिपोर्ट भी तैयार की है, जिसे केंद्रीय नेतृत्व के सामने रखा जाएगा।

वहीं, संगठन महामंत्री धर्मपाल ने मौजूदा मंत्रियों के कामकाज, विभागीय प्रगति और जनप्रतिनिधित्व को लेकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। इसी रिपोर्ट के आधार पर कोर ग्रुप नए और पुराने नामों पर मंथन करेगा। राजनीतिक सूत्रों का मानना है कि यह मंत्रिमंडल विस्तार सरकार के कामकाज को और धार देने के साथ-साथ आने वाले चुनावी समीकरणों को साधने में भी अहम भूमिका निभाएगा।

- बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद मंत्रिमंडल विस्तार पर अंतिम फ़ैसला संभव
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत वरिष्ठ नेताओं का जल्द दिल्ली दौरा प्रस्तावित
- यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी ने डिप्टी सीएम से अलग-अलग बैठक कर लिया फीडबैक
- क्षेत्रवार दौरे कर संगठन ने ज़मीनी रिपोर्ट तैयार की
- संगठन महामंत्री धर्मपाल ने मंत्रियों के कामकाज की रिपोर्ट कोर ग्रुप को सौंपी
- सामाजिक संतुलन और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को प्राथमिकता
- नए चेहरों को मौका मिलने और कुछ मंत्रियों के विभाग बदले जाने की संभावना
- अंतिम निर्णय बीजेपी आलाकमान के स्तर पर लिया जाएगा

जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका खारिज स्पीकर की जांच कमेटी को हरी झंडी

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। दिल्ली कैश कांड से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस वर्मा ने लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित जांच समिति के गठन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत के इस फैसले के बाद स्पीकर की ओर से गठित कमेटी का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है और अब मामले की जांच आगे बढ़ सकेगी।

दरअसल, जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लगे आरोपों के बाद 21 जुलाई को लोकसभा और राज्यसभा–दोनों सदनों में उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव पेश किया गया था। इसी बीच लोकसभा स्पीकर ने मामले की प्रारंभिक जांच के लिए एक समिति का गठन कर दिया। इस फैसले को जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम

दिल्ली कैश कांड में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, 21 जुलाई को लोकसभा-राज्यसभा में पेश हुआ था महाभियोग प्रस्ताव

कोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि यह कदम कानून के विरुद्ध है।

सुप्रीम कोर्ट का रुखः सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा की सभी दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि स्पीकर द्वारा गठित जांच समिति के गठन में प्रथम दृष्ट्या कोई कानूनी बाधा नहीं है। अदालत ने माना कि आरोपों की जांच के लिए समिति का गठन न्यायिक और संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसे इस स्तर पर रोका नहीं जा सकता। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि जांच प्रक्रिया को शुरुआती स्तर पर ही रोका नहीं जा सकता। स्पीकर द्वारा गठित समिति वैधानिक दायरे में काम कर सकती है। संसद में चल रही महाभियोग प्रक्रिया और जांच समिति की कार्रवाई अलग-अलग स्तरों पर आगे बढ़ सकती हैं। यह फैसला न केवल इस हाई-प्रोफाइल मामले में अहम मोड़ माना जा रहा है, बल्कि न्यायपालिका और संसद के बीच प्रक्रियात्मक संतुलन को लेकर भी एक महत्वपूर्ण नजीर के रूप में देखा जा रहा है।

कोई भूमाफिया नहीं बचेगा , जेल में होगी उनकी जगह

योगी का सख्त संदेश

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

गोरखपुर। मकर संक्रांति के पावन पर्व के बीच शुक्रवार सुबह गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याएं सुनीं । अफसरों को साफ निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का समयबद्ध और गंभीरता से निस्तारण कराया जाए। सीएम ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को दो टूक चेतावनी दी कि जमीन कब्जाने वाले भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और ऐसे लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा न जाए।

गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने 200 से अधिक लोगों से सीधे मुलाकात की। उन्होंने फरियादियों को भरोसा दिलाया कि किसी को घबराने की जरूरत नहीं है और हर समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा।इससे पहले मकर संक्रांति के अवसर पर गुरुवार को ब्रह्म मुहूर्त में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाथपंथ की

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनी फरियादियों की पीड़ा

परंपरा के अनुसार शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ को आस्था की पवित्र खिचड़ी अर्पित की। पूजा-अर्चना के बाद मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए, जिसके बाद महाकुंभ के योग में खिचड़ी चढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। देर शाम तक भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं।